

15/3/22

आज हम दाग... में व्यस्त है। अतः इत्यादि होकर पत्रावली आइन्दा 24/4/22 को पेश हो।

प्राथम्य

26/4/22

पत्रावली का प्रवेश हुआ है वही वही जाकी उपा वही जाकी विजाकी के समक रवि हाक द्वारा भेजे का एक कोर भकर पाए है कतिमत भकर डि। जाकर पत्रावली डि 24.05.22 को पेश है।

उपखण्ड अधिकारी गुडामालानी

24/5/22

पत्रावली का प्रवेश हुआ है वही वही जाकी उपा वही जाकी विजाकी के समक रवि हाक द्वारा भेजे का एक कोर भकर पाए है कतिमत भकर डि। जाकर पत्रावली डि 20/06/22 को पेश हो।

उपखण्ड अधिकारी, गुडामालानी

06/06/22

पत्रावली का प्रवेश हुआ है वही वही जाकी उपा वही जाकी विजाकी के समक रवि हाक द्वारा भेजे का एक कोर भकर पाए है कतिमत भकर डि। जाकर पत्रावली डि 12/07/22 को पेश हो।

उपखण्ड अधिकारी, गुडामालानी

12/7/22

पत्रावली का प्रवेश हुआ है वही वही जाकी उपा वही जाकी विजाकी के समक रवि हाक द्वारा भेजे का एक कोर भकर पाए है कतिमत भकर डि। जाकर पत्रावली डि 17/9/19 को पेश है।

उपखण्ड अधिकारी गुडामालानी

सेवामें,

"श्री"



श्रीमान् उपखण्ड अधिकारी (S.D.O.) महोदय,
उपखण्ड - गुडामालानी जिला बाड़मेर।

प्रार्थी :-

1. वीराराम/हरीगाराम उम्र 65 वर्ष कौम विशनोई साकिन उदाणियों की
ढाणी तहसील गुडामालानी जिला बाड़मेर।

बनाम

विप्रार्थीगण :-

1. बागाराम वल्द हरीगाराम कौम विशनोई साकिन उदाणियों की ढाणी
2. भाणाराम वल्द हरीगाराम कौम विशनोई साकिन बाण्ड
3. उकरड़ा वल्द वगता कौम मेगवंशी साकिन उदाणियों की ढाणी
4. देरामा वल्द भीखा
5. विशना वल्द भीखा
6. चेतन वल्द भीखा
7. दिनेश वल्द भीखा
8. सुआ पत्नी भीखा
9. हरू वल्द अचला
10. चूना वल्द खुमा
11. पूंजा वल्द खुमा
12. कृष्णराम वल्द गजाराम कौम मेगवंशी साकिन उदाणियों की ढाणी
13. शंकराराम वल्द मांगाराम
14. बाबूराम वल्द मांगाराम
15. जेठी पत्नी मांगाराम कौम मेगवंशी साकिन उदाणियों की ढाणी ग्राम
पंचायत डाबड़ तहसील गुडामालानी जिला बाड़मेर।
16. तहसीलदार गुडामालानी जिला बाड़मेर।

न प्रार्थी का निम्न प्रकार से है कि :-

1. यह कि प्रार्थी के खातेदारी की भूमि तहसील गुड़ामालानी के पटवार मण्डल मौखावा के ग्राम उदाणियों की ढाणी के खेत खसरा नम्बर 1335/3, 1339/2 रकबा क्रमशः 44-02, 5-04 बीघा किस्म बारानी सोयम, बारानी सोयम की आयी हुई है। जिस पर प्रार्थी का कब्जा-काश्त हैं, तथा प्रार्थी की बाड़े, टांके आदि बने हुए है। नकल वर्तमान जमाबन्दी व नक्शा साथ संलग्न है।
2. यह कि प्रार्थी की उपरोक्त भूमि के सेढा-सेढ ही विप्रार्थीगण की भूमि आई हुई है, कि प्रार्थी एवं विप्रार्थीगण के खेतों के बीच में किसी प्रकार की कोई पक्की माटें तथा सीमा चिन्ह नहीं होने के कारण प्रार्थी एवं विप्रार्थीगण के बीच काश्त एवं प्राकृतिक पैदावार लेते समय खेतों के सेढों के संबंध में तनाव एवं विवाद बना रहता है। तथा विप्रार्थीगण हमेशा प्रार्थी की भूमि का जबरन सेढा तोड़कर प्रार्थी की खातेदारी भूमि पर जबरन काश्त कर लेते है तथा प्रार्थी को उसकी भूमि के उपयोग एवं उपभोग में हर समय बाधा उत्पन्न करते रहते है। तथा हर समय झगड़ा होने की आशंका रहती है।
3. यह कि प्रार्थी हमेशा के लिए भूमि के सेढों बाबत विवाद से बचने के लिए अपनी उपरोक्त भूमि की पक्की नेखमबंदी करवाना चाहता है।